

(Infliction of punishment) दस्तयोगः—(Observation) चर्चा, निरीचा, जनेवर्यः.

TO ANIMADVERT, v. n. (To pass censure on) प्रतिनिदित् (c. l. -निवार्ति-विधितु), उपालूभः (c. l. -लभते-लम्)—(To punish) दस्त ग्राणी (c. l. -नयति-नहै), दस्त् (c. 10. ददृश्यति-यितु).—(To make observation) निरीचा (c. 1. -ईचो-ईचितु), चर्चा कृ.

ANIMADVERTED, p.p. प्रतिनिदितः-ता-तै.—(Punished) दस्तवतः-ता-तै.

ANIMADVERTER, s. प्रतिनिदितकः, दस्तवयन्ता m. (न.), अनुयोगी न. (न.).

ANIMAL, s. जनुः m., ग्राणी न. (न.), चेतनः, वीरी न. (न.), जनः m., जन्मी न. (न.), जन्मता न. (न.)—(Beast) प्राणी तिथ्येति (न.), चेतनः-ना-तै.

ANIMAL, s. जीव-पितृ-यि (न.), ग्राणी-विहीनी-यि (न.), चेतनः-ना-तै.

—जननावात्-जीवी-वत् (न).—(Animal food) भौताहारः.

ANIMALCULE, s. शुद्धजीवी न. (न.), शुद्धननुः m.

TO ANIMATE, v. a. जीव in caus. (जीवयति-यितु), ग्राण in caus. (-जानयति-यितु), चाक्षा in caus. (-आसयति-यितु), समाप्त्यस्त्र, चित्यस्त्र, परिविश्वास्त्र in caus.; उत्ता in caus. (उत्तापयति-यितु), उत्तुन् in caus. (-योजयति-यितु), प्रोत्साहन् in caus. (-साहस्र्यति-यितु), उत्तिन् (c. 10. तज्जयति-यितु).

ANIMATE, ANIMATED, part. a. (Inspirited) आशासितः-ता-तै, उत्तुकः-का-कै, उत्तेजितः-ता-तै.—(Living) चेतनः-ना-तै, ग्राणी-विहीनी-यि (न.).—(Vivacious) प्रकुपवदनः-ना-तै, दुष्टुदृश्य-या-यै, रसिकः-का-कै, सारवान-वती-वत् (न.).

ANIMATION, s. (The act of enlivening) आशासनं, उत्तेजनं.—(The state of being enlivened, vivacity) मुख्यता, दृष्टा.

ANIMATOR, s. आशासकः, जीवदृ, प्राणादः, प्रोत्साहकः.

ANIMOSITY, s. वैर, देहं, विदेह, मासर्यः.

ANISE, s. जडा, बालेयः, ग्रीष्मियः, मधुरिका, मिश्री, मिश्रेया.

ANKER, s. रसायनं परिचयित्वाचितः.

ANKLE, s. गुलक्-स्वं, पुष्टिका or पठिका, पुष्टि: f., चरणयन्ति: f.

ANKLED, a. गुलक्ष्यते-का-कै, गुलक्ष्यन्ती-यित्वा-यित्व (न.).

ANKLET, s. नुपुरः, पदार्थः, मधुरौ, पादकटकः.

ANNUALIST, s. क्रान्तुनुसारेण चरित्रचक्रः, चरित्रलेखकः, पुरावृत्तरचक्रः; आस्थानरचक्रः, वृक्षानलेखकः, आस्थानसंक्रान्तः.

TO ANNALIZE, v. a. चरित्रालि or पुरावृत्तरचक्र रूप (c. 10. रचयति-यितु).

ANNALES, s. क्रान्तुनुसारेण संक्रान्ती इतिहासः, पुरावृत्तं, पुरावृत्तकथा, चर्त्तर-चास्थानं, वृक्षानलेखणं.

ANNATES, s. प्रथमफलं, नववस्त्रः.—(Sacrifice of first-fruits) अयायाणः.

TO ANNEAL, v. n. रुक्षित्योरीकरणानिमेऽजांशं तप्त (c. 1. तपति तप्तु or caus. तापयति-यितु).

ANNEALING, s. यत् काचस्य तपनं रुक्षित्योरीकरणाय क्रियते.

TO ANNEX, v. a. अनुबन्धः (c. 9. -भासति-चर्वते), आवस्त्रः, संयुक्त् in caus. (-योवयति-यितु), उपाधा (c. 3. -दधाति-धते-पातु), आधा; उपस्था in caus. (-स्थापयति-यितु).

ANNEXED, p.p. संयोजितः-ता-तै, उपाधितः-ता-तै, अनुबद्धः-द्वा-द्वै.

ANNEXATION, s. अनुबन्धनं, उपस्थानं, संयोगः, संयोजनं, उपधानं.

ANNEXMENT, s. (The act of annexing). See the last.—(The thing annexed) अनुबन्धः, उपाधितः संयुक्तगतः.

TO ANNINHILATE, v. a. नश् in caus. (नाशयति-यितु), विनशः; ग्रन्ती in caus. (-लापयति-यि-लापयति-यितु), उद्ध (c. 1. -हरति-ते-हर्वते), उत्तिन् (c. 7. -तिन्नति-तेहतु), लोपं कृ.

ANNIHILATED, p.p. उत्तिनः-त्रा-तै, विनशितः-ता-तै.

ANNIHILATION, s. नाशः, व्यायः, प्रलयः, विनाशः, समुच्छेदः, लोपः, निर्वापः, ग्रन्तीनाशः.

ANNIVERSARY, s. दिवसः; केतापि सप्तिशेषया कारणेण चत्तरे चत्तरे प्रविष्टः; प्रतिवार्षिक उत्तवः, चत्तरे चत्तरे सेवितो महोत्तवः.

ANNIVERSARY, a. सांवासरिकः; -की-कै, सांवासर-री-रै, प्रतिवार्षिकः-का-कै. **TO ANNOTATE**, v. n. टीका or भाष्य लिख् (c. 6. लिखति लेखितु) or रूप (c. 10. रचयति-यितु).

ANNOTATION, s. टीका, भाष्य, लिप्पती f.

ANNOTATOR, s. टीकालेखकः, भाष्यकारः, भाष्यकृतः.

TO ANNOUNCE, v. a. आक्षयकः (c. 2. -स्थापति-ते-स्थापतु), समाच्या: व्यय in caus. (स्थापयति-यितु), आक्षय in caus.; विपुप् (c. 1. -घोषिति-योगितु) or c. 10. घोषयति-यितु), आक्षय in caus. (वेदयति-यितु), निविदः, आक्षय, समाचिद, विनिविद, सर्विविद; विद्वा in caus. (-हापयति-यितु).

ANNOUNCED, p.p. प्रकाशितः-ता-तै, विवेदितः-ता-तै, आवेदितः-ता-तै, चर्वपुष्-द्वा-द्वै, आक्षयातः-ता-तै, परिकीर्तितः-ता-तै.

ANNOUNCEMENT, s. व्यापानं, विद्वापानं, विद्वापानः, विद्वापानं, (News) सन्देशः, सेवाचारः, संवादः.

ANNOUNCER, s. आक्षयाकः, विद्वापकः, विद्वोपकः, सन्देशाश्रहः.

TO ANNOY, v. a. पीड़िति (c. 10. पीढवयति-यितु), आभियोद, उपर्योद, प्रपीद, प्रतिपीद, सम्पीदः, हृप in caus. (तापयति-यितु), सत्त्वप, परितपः; क्रियः (c. 9. क्रियाति तेहतु), चर्वे in caus. (चर्वयति-यितु), सम्भदः, वाप (c. 1. वापते, आपितु).

ANNOYANCE, s. आप्या, झेझः, विडसाना, दुःखं, पीडा, चापा.—(The act of annoying) दीदनः.—(A source of annoyance) क्रहणकः, -कै.

ANNOYED, p.p. दीदः-द्वा-द्वै, परिक्रियः-द्वा-द्वै, सर्वप-या-यै, अथितः-ता-तै.

ANNOYER, s. झेझः, दुःखकर, आपाकरः.

ANNOYING, a. झेझी-झिनी-यि (न.), झेझः; -का-कै, दुःखकरः-री-रै.

ANNUAL, a. वार्षिकः-की-कै, आविकः; -को-कै, सांवासर-री-रै, वैष्पः; -का-कै, संयोजनः-ता-तै.—(Lasting only for a year) एकवर्षीयी-विहीनी-यि (न.); 'an annual plant' झोपितः f.

ANNUALLY, adv. प्रतिवार्षी, प्रात्यवासर, चत्तरे चत्तरे, चत्तरक्रमेण.

ANNUITY, s. वार्षिक or सांवासरिक चेतन or वैष्पं यन्न निक्षिपत्तमूलं चत्तरे चत्तरे कर्त्तव्यिद दीप्तये.

TO ANNUL, v. a. लोपं कृ, निरपेक्ष-को-कै, विनशः in caus. (-नाशव्यति-यितु).

ANNUAR, L. मधुलाङ्कार-रा-रै, वल्लाङ्कार-रा-रै, वल्लाङ्कृतिः-ति-यि, जुड़ुरीयाकार-रा-रै.

ANNULET, s. शुद्धवलयः, शुद्धाकुम्भः, -ये.

ANNUMENT, s. लोपः, नाशः, विनाशः.

TO ANNUMERATE, v. a. संख्या संख्यया संयुक्त (c. 7. -युनकि-युक्ते-योक्ते).

ENUMERATION, s. संख्या संख्यया संयोजनः.

ANNUNCIATION, s. प्रात्येदशः, योषणं, -णा, रूपायानं, विद्वायानं.

ANODYNE, a. शूलाद्यः-प्री-प्री, वेदनाशापानिकः; -की-कै, पीडाशमकः; -का-कै.

ANODYNE, s. शूलाद्यः, वेदनाशापानिकः.

To ANOINT, v. a. लिप् (c. 6. लिप्यति-ते-लेहतु), लुप्तिलिप्, आलिप्, शमलिप्, उपलिप्, चिलिप्; चाप्त (c. 7. जनकि चंकुः) or caus. (चर्वयति-यितु), समालः (c. 1. -लग्नते-लम्).—(To consecrate byunction) चर्विपृष्ठ (c. 6. -सिंचति-सेहतु).

ANOINTED, p.p. लिप्तः-या-यै, जनकिपृष्ठ-का-कै, दिप्यः-न-या-यै, चनुलिप्तः-या-यै, अप्यकः-का-कै, कृत्ताभियेकः-का-कै.

ANOINTER, s. अभियेकः; लेपकः, जन्मनकर्ता m. (कै).